

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	माघ 09, सोमवार, शके 1945-जनवरी 29, 2024 <i>Magha 09 Monday, Saka 1945- January 29, 2024</i>	

**भाग 6 (ख)**

**जिला बोर्ड, परिषदों एवं नगर आयोजना संबंधी, विज्ञप्तियां आदि।**

**स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर**

**कार्यालय नगर पालिका मंडल पुष्कर, अजमेर**

**अधिसूचना**

**पुष्कर, जनवरी 04, 2024**

**पुष्कर तीर्थ संरक्षण उपविधियां -2023**

**File Number 4041 :-**राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 (2009 का अधिनियम संख्या 18) की धारा 340 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पालिका पुष्कर निम्नलिखित उपविधियां बनाती है, यथा –

**अध्याय-1 प्रारम्भिक**

**1. संक्षिप्त नाम, प्रसार और प्रारम्भ -**

- इन उपविधियों का नाम “पुष्कर तीर्थ संरक्षण उपविधियां 2023” होगा।
- यह उपविधियां नगर पालिका पुष्कर के क्षेत्राधिकार की सीमा में प्रभावी होगी।
- यह उपविधियां राजपत्र में इनके प्रकाशन की दिनांक से प्रभावी होगी।

**2. परिभाषाएँ -**

जब तक अर्थ या प्रसंग में अन्यथा अपेक्षित ना हो। राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की परिभाषाएँ यहां पर लागू होगी एवं इस उपविधि के प्रयोजनार्थ -

- “अधिनियम” से तात्पर्य नगर पालिका अधिनियम 2009 व तत्समय यथा संशोधन से है।
- “अध्यक्ष” से तात्पर्य राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 के तहत नगर पालिका बोर्ड के अध्यक्ष से है।
- “अधिशाषी अधिकारी” से तात्पर्य नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी से है।
- “नगर पालिका” से तात्पर्य नगर पालिका पुष्कर से है।
- “नगर पालिका क्षेत्र” से तात्पर्य पुष्कर नगर पालिका के सम्पूर्ण क्षेत्राधिकार से है।
- “सरोवर” से तात्पर्य राजस्व ग्राम पुष्कर के राजस्व अभिलेख में हाल वर्णित खसरा नम्बर 565 एवं पुराना खसरा नम्बर 865 से है।
- “सरोवर क्षेत्र सीमा” से तात्पर्य पुष्कर सरोवर से 100 फीट की परिधि में स्थित सम्पत्ति से है।
- “होटल” से तात्पर्य ऐसे किसी मकान से है जिसमें भारतीय अथवा विदेशी नागरिकों को खान-पान, रात्रि विश्राम, नहाने-खाने की सुविधा प्रतिफल अथवा बिना प्रतिफल के प्रदान किया जाना शामिल हो। इसमें धर्मशालाये भी शामिल हैं।

- (ix) “अवैध पदार्थ” से तात्पर्य मांस (किसी भी पशु/पक्षी का), शराब व मनःप्रभावी पदार्थ, स्वापक औषधी से है। (राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 में वर्णित परिभाषाएँ व स्वापक औषधी और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1950 में वर्णित परिभाषाएँ तथा उक्त अधिनियमों के तहत वर्णित मनःप्रभावी पदार्थ, स्वापक औषधी, शराब भी इसमें सम्मिलित हैं)
- (x) “चरण पादुका” से तात्पर्य किसी भी प्रकार के व किसी भी पदार्थ के बने हुए चप्पल, जुते, सेण्डल, या अन्य कोई साधन जो पैर में पहनने के उपयोग में आता हो, से है।
- (xi) “व्यक्ति” से तात्पर्य किसी व्यस्क पुरुष, महिला से है।
- (xii) “मजिस्ट्रेट” से तात्पर्य किसी भी प्रथम श्रेणी न्यायाधीश से है।

#### अध्याय-2 अपराध एवं शास्तियां

3. पुष्कर नगर पालिका क्षेत्र में किसी भी प्रकार के “अवैध पदार्थ” का अविधिपूर्ण आयात, निर्यात, परिवहन, विनिर्माण, आधिपत्य, संग्रहण, एवं क्रय, विक्रय इत्यादि नहीं किया जावेगा।
  - (i) कोई भी व्यक्ति उक्त उपविधि का उल्लंघन व भंग करता है या करने हेतु किसी व्यक्ति को विधि द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना निर्धारित अवधि में नहीं करता है तो ऐसा व्यक्ति 2000/- अक्षरों दो हजार रुपये अधिकतम से दण्डित किया जा सकेगा तथा अपराध क्रमिक रखने पर व पुनरावर्ती करने पर अतिरिक्त अर्थ दण्ड जो कि 5,000/- अक्षरों पाँच हजार रुपये से कम ना हो। उपरोक्त अर्थ दण्ड अथवा उसके भाग का साधारण कारावास से दण्डित होगा।
4. सरोवर क्षेत्र की सीमा में स्थित सरोवर के पवित्र जल से 70 फुट की दूरी में “चरण पादुका” का उपयोग नहीं किया जायेगा।
  - (ii) कोई भी व्यक्ति उक्त उपविधि का उल्लंघन व भंग करता है या करने हेतु किसी व्यक्ति को विधि द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना निर्धारित अवधि में नहीं करता है तो ऐसा व्यक्ति 500/- अक्षरों पाँच सौ रुपये अधिकतम से दण्डित किया जा सकेगा तथा अपराध क्रमिक रखने व पुनरावर्ती करने पर अतिरिक्त अर्थ दण्ड 1,000/- अक्षरों एक हजार रुपये से कम ना हो। उपरोक्त अर्थ दण्ड अथवा उसके भाग का साधारण कारावास से दण्डित होगा। लेकिन आवश्यक राजकीय कार्यों की पालना हेतु सरोवर की पवित्रता को बनाये रखते हुये नगर पालिका की पूर्व अनुमति से धार्मिक रूप से स्वीकार्य पादुकाओं का उपयोग किया जा सकेगा।
5. सरोवर क्षेत्र सीमा में किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी, विडियोग्राफी, ड्रोन कैमरा के माध्यम से रिकार्डिंग आदि नहीं की जायेगी।
  - (i) कोई भी व्यक्ति उक्त उपविधि का उल्लंघन व भंग करता है या करने हेतु किसी व्यक्ति को विधि द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना निर्धारित अवधि में नहीं करता है तो ऐसा व्यक्ति 1000/- अक्षरों एक हजार रुपये अधिकतम से दण्डित किया जा सकेगा तथा अपराध क्रमिक रखने व पुनरावर्ती करने पर अतिरिक्त अर्थ दण्ड 5,000/- अक्षरों पाँच हजार रुपये से कम ना हो तथा सम्बन्धित उपक्रम जब्त किया जायेगा। उपरोक्त अर्थ दण्ड अथवा उसके भाग का साधारण कारावास से दण्डित होगा। परन्तु चित्रण, प्रकाशन, मुद्रण, धार्मिक एवं राजकीय उद्देश्यों के लिये पुष्कर सरोवर की पवित्रता, मर्यादा व सुरक्षा के अध्यधीन नगर पालिका द्वारा अनुमति प्रदान की जा सकेगी।
6. सरोवर क्षेत्र सीमा में स्थित सरोवर के पवित्र जल में किसी भी प्रकार के साबुन, शैम्पू इत्यादि का उपयोग नहीं किया जायेगा।
  - (i) कोई भी व्यक्ति उक्त उपविधि का उल्लंघन व भंग करता है या करने हेतु किसी व्यक्ति को विधि द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना निर्धारित अवधि में नहीं करता है तो ऐसा व्यक्ति 500/- अक्षरों पाँच सौ रुपये

अधिकतम से दण्डित किया जा सकेगा तथा अपराध क्रमिक रखने व पुर्नरावर्ती करने पर अतिरिक्त अर्थ दण्ड 2,000/- अक्षरे दो हजार रुपये से कम ना हो। उपरोक्त अर्थ दण्ड अथवा उसके भाग का साधारण कारावास से दण्डित होगा।

7. सरोवर क्षेत्र सीमा मे किसी भी प्रकार की गन्दगी नहीं की जायेगी।

(i) कोई भी व्यक्ति उक्त उपविधि का उल्लंघन व भंग करता है या करने हेतु किसी व्यक्ति को विधि द्वारा दिये गये निर्देशो की पालना निर्धारित अवधि मे नहीं करता है तो ऐसा व्यक्ति 500/- अक्षरे पाँच सौ रुपये अधिकतम से दण्डित किया जा सकेगा तथा अपराध क्रमिक रखने व पुर्नरावर्ती करने पर अतिरिक्त अर्थ दण्ड 2,000/- अक्षरे दो हजार रुपये से कम ना हो। उपरोक्त अर्थ दण्ड अथवा उसके भाग का साधारण कारावास से दण्डित होगा।

8. सरोवर क्षेत्र सीमा मे स्थित सरोवर के पवित्र जल मे किसी भी प्रकार की खाद्यसामग्री यथा चना, मक्का, बाजरा, ज्वार, चावल की खिली, आटे की गोली, हवन सामग्री तथा तस्वीरे खण्डित प्रतिमाए आदि नहीं डाली जायेगी तथा उपरोक्त पदार्थो/सामग्री का विक्रय सरोवर क्षेत्र सीमा में नहीं किया जायेगा।

(i) कोई भी व्यक्ति उक्त उपविधि का उल्लंघन व भंग करता है या करने हेतु किसी व्यक्ति को विधि द्वारा दिये गये निर्देशो की पालना निर्धारित अवधि मे नहीं करता है तो ऐसा व्यक्ति 500/- अक्षरे पाँच सौ रुपये अधिकतम से दण्डित किया जा सकेगा तथा अपराध क्रमिक रखने व पुर्नरावर्ती करने पर अतिरिक्त अर्थ दण्ड 2,000/- अक्षरे दो हजार रुपये से कम ना हो। उपरोक्त अर्थ दण्ड अथवा उसके भाग का साधारण कारावास से दण्डित होगा।

#### अध्याय-3 प्रक्रिया, अभियोजन, वाद आदि

9. नगर पालिका अभियोजित कर सकेगी -

(i) अधिशाषी अधिकारी इस उपविधि के अधीन जारी आदेश या निर्देशो के उल्लंघन के लिये अभियोजन का निर्देश दे सकेगा और किन्ही शास्तियों की वसूली के लिये तथा इस उपविधि या इसके अधीन बनाये गये किसी नियम, उपबन्धो का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को दण्ड देने के लिये कार्यवाही किये जाने का आदेश दे सकेगा एवं इस उपविधि की पालना हेतु अतिरिक्त कर्मचारी यथा होमगार्ड आदि नियोजित कर सकेगा और ऐसे अभियोजनो या कार्मिको के नियोजन, अन्य कार्यवाहियों का व्यय नगर पालिका निधि मे से सदत्त किये जाने का आदेश दे सकेगा।

(ii) इस उपविधि के अधीन बनाये गये किन्ही नियमों के अधीन कोई अभियोजन उसमे अन्यथा उपबन्धित के सिवाय किसी भी मजिस्ट्रेट के समक्ष संस्थित किया जा सकेगा, और इस उपविधि के अधीन बनाये गये किसी नियम के अधीन या उसके आधार पर, अधिरोपित प्रत्येक जुर्माना या शास्ति और प्रतिकर या अन्य व्ययों के सभी दावें जिनकी वसूली के लिये इस उपविधि मे अन्यथा कोई विशेष उपबन्ध ना किया गया हो ऐसे मजिस्ट्रेट को आवेदन प्रस्तुत किये जाने पर उसकी अधिकारिता की सीमाओं के भीतर ऐसे व्यक्ति की, जिस पर धन का दावा किया जा सके, किसी जंगम या स्थावर सम्पत्ति के करस्थम् तथा विक्रय द्वारा वसूल किये जा सकेगे।

10. अपराधों के अभियोजन के सम्बन्ध मे शक्तियां - नगर पालिका -

(i) किसी भी ऐसे व्यक्ति से जिसने नगर पालिका की राय मे इस उपविधि के अधीन बनाये गए नियम के अधीन दण्डनीय अपराध कारित किया हो, समझौता कर सकेगी और ऐसा समझौता कर लिये जाने पर ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध ऐसे अपराध के सम्बन्ध मे कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।

(ii) इस उपविधि के अधीन अभियोजन को प्रत्याहृत कर सकेगी।

(iii) इस उपविधि के अधीन बनाई गये नियम के विरुद्ध किये गये ऐसे किसी अपराध का, जो राज्य सरकार द्वारा बनाये गये नियमों द्वारा प्रशमनीय घोषित किया गया हो प्रशमन कर सकेगी।

11. अपराधों का संज्ञेय व जमानती होना:-

(i) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 2) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी इस अधिनियम की धारा के अधीन दण्डनीय कोई अपराध संज्ञेय व जमानती होगा।

#### अध्याय-5 12-निरीक्षण

(i) अधिशाषी अधिकारी, सफाई निरीक्षक अथवा अधिशाषी अधिकारी द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी/कर्मचारी द्वारा सूर्योदय से सूर्यास्त के पहले पुष्कर सरोवर सीमा क्षेत्र व नगर पालिका क्षेत्र में मकानों/भवनों/सम्पतियों का निरीक्षण किया जा सकेगा, प्रवेश किया जा सकेगा, व इस उपविधि के अधीन कार्यवाही की जा सकेगी।

#### अध्याय-6 प्रकीर्ण

13. कम्पनियों द्वारा अपराध:-

(i) जहां इस उपविधि के अधीन कोई अपराध किसी कम्पनी द्वारा किया गया है, वहां प्रत्येक व्यक्ति, जो अपराध किये जाने के समय उस कम्पनी के कारोबार के लिये संचालन के लिये उस कम्पनी का प्रभारी और उसके प्रति उत्तरदायी था, और साथ ही वह कम्पनी भी उस अपराध के दोषी समझे जायेगे और तदनुसार अपने विरुद्ध कार्यवाही किये जाने और दण्डित किये जाने के भागी होंगे। परन्तु इस उपधारा में अन्तर्विष्ट कोई भी बात इस अधिनियम में उपबन्धित किसी भी दण्ड के लिये ऐसे व्यक्ति को भागी नहीं बनायेगी यदि वह यह साबित कर देता है कि अपराध उसकी जानकारी के बिना किया गया था या उसने ऐसे अपराध के किये जाने को निवारित करने के लिये समस्त सम्यक तत्परता बरती थी।

(ii) उप-धारा (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जहां इस अधिनियम के अधीन कोई अपराध किसी कम्पनी द्वारा किया गया है और यह साबित हो जाता है कि वह अपराध कम्पनी के किसी निदेशक, प्रबन्धक, सचिव या अन्य अधिकारी की सहमति या मौनानुकूलता से किया गया है या उसकी अपेक्षा के फलस्वरूप किया गया माना जा सकता है। तो ऐसा निदेशक, प्रबन्धक, सचिव, या अन्य अधिकारी भी उस अपराध का दोषी समझा जायेगा और तदनुसार अपने विरुद्ध कार्यवाही किये जाने और दण्डित किये जाने का भागी होगा।  
स्पष्टीकरण - इस धारा के प्रयोजन के लिये

(क) “कम्पनी” से कोई निगमित निकाय अभिप्रेत है और इसमें फर्म या व्यष्टियों का अन्य संग सम्मिलित है और

(ख) फर्म के सम्बन्ध में “निदेशक” से फर्म का भागीदार अभिप्रेत है।

15. निरसन एवं व्यावृत्तियाँ:-

(i) इस उपविधि के पूर्व संस्थित कार्यवाही, आज्ञा, अभियोजन इन उपविधियों के लागू होने के पश्चात् पूर्व विधि के नियमों के तहत चालू रहेंगे तथा नगर पालिका पुष्कर में लागू अन्य विधि के प्रावधान लागू होने पर उनके कार्यक्षेत्र में प्रभावहीन होंगे।

(ii) ऐसे निरसन के होते हुए भी यह है कि उपधारा-1 द्वारा निरसित किसी अधिनियमिती के अधीन की गई या किये जाने के तात्पर्यत कोई बात या कार्यवाही, जहां तक इस उपविधि के उपबन्धों के असंगत नहीं है। इस उपविधि के अधीन तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जायेगी।

अधिशायी अधिकारी,  
नगर पालिका पुष्कर।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।